निजी संस्थानों में सरकारी से पांच गुना महंगी पढ़ाई : प्रो. ओंकार

दून विश्वविद्यालय में उत्तराखंड के औद्योगिक रोडमैप थीम पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। उत्तराखंड शिक्षा के लिए जाना जाता है, यहां की माध्यमिक शिक्षा दुनिया में अग्रणी है, लेकिन उच्च शिक्षा में बड़ा गैप है। निजी और सरकारी शिक्षण संस्थानों की बात करें तो निजी शिक्षण संस्थानों की शिक्षा सरकारी से पांच गुना महंगी है।

वीर माधो सिंह भंडारी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओंकार सिंह ने उक्त बातें कही। उन्होंने यह बात दून विश्वविद्यालय में उत्तराखंड के औद्योगिक रोडमैप थीम पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरुआत की।

दून विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा, शोध कार्यों के प्रोत्साहन एवं नवाचार में प्रयोग किए जाएं। उत्तराखंड मानव संसाधनों से भरा हुआ है, इसीलिए उन्हें सही कौशल विकास एवं प्रशिक्षण दिए जाने के लिए हर क्षेत्र में प्रयास किए जाने चाहिए। तकनीकी और व्यवसायिक शिक्षा को उत्कृष्टता का केंद्र बनाया जाए। उन्होंने कहा, पूर्व में गुरुकुल की शिक्षा की परंपरा थी, पर अब छात्रा को कक्षा में बुलाना बड़ी चुनौती है।

दून विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्रिका का विमोचन करते अतिथि। संवाद

निजी सेक्टर तेजी से शिक्षा को व्यवसायीकरण की ओर ले जा रहे हैं। इसके लिए आर्थिक सामाजिक विषमता जिम्मेदार है। नीति बनाने वालों को शिक्षा के उत्कृष्टता का केंद्र बनाने के बारे में सोचना होगा। इसके अलावा शिक्षा के लिए सब्सिडी देने की भी जरूरत है।

राज्य में उद्योगों के संबंध में उन्होंने कहा, आईटी सिटी, परामर्श और ई वेस्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में बड़ी संभावनाएं हैं। दून विश्वविद्यालय की कुलपति सुरेखा डंगवाल ने राज्यपाल का संदेश पढ़कर सुनाया। उन्होंने कहा, सकारात्मक सोच, विचार और अवधारणा उत्तराखंड के विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया संगोष्ठी में विनिर्माण, मानव संसाधन विकास, पर्यावरण, जीवन शैली, पर्यटन को सेवा क्षेत्र से जोड़ने आदि के क्षेत्र में चर्चा की जाएगी। संगोष्ठी में मुख्य समन्वयक प्रोफेसर अविनाश चंद्र जोशी, इंडियन सोसायटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट की नेशनल प्रेसिडेंट अनीता चौहान, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के निदेशक एचआर रंजन मोहपात्रा, लबासना के पूर्व निदेशक डॉ. संजीव चोपड़ा, अमेरिका से उत्तराखंड मूल के वैज्ञानिक और अमेरिकी उद्यमी डॉ.शैलेश उप्रेती ने भी विचार रखे। संचालन प्रोफेसर आरपी ममगाई ने किया। संगोष्ठी में प्रो. कुसुम अरुणाचलम, प्रो. हर्ष डोभाल, प्रो. आशीष कुमार, प्रो. अरुण कुमार, डॉ. राजेश भट्ट, डॉ. सविता तिवारी कर्नाटक, प्रो.जीपी पोखरियाल, डॉ. मनोज पंत, संदीप सिंह, अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।